भाखडा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड

सैक्टर 19 बी, चण्डीगढ़-160019

प्रैस विज्ञप्ति दिनांक : 31.05.2013

विषयः अध्यक्ष, बीबीएमबी का उद्घाटन सत्र में सम्बोधन ।

श्री ए.बी. अग्रवाल, अध्यक्ष, भाखड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड , 30.05.2013 को दिल्ली में दि एसोशिएटेड चैम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इंडसट्रीज़ ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित किए गए 'हाईड्रोपावर - टैपिंग द अनटैप्ड' पर एक दिवसीय सेमीनार के उद्घाटन सत्र में श्रोताओं को सम्बोधित करते हुए ।

चण्डीगढ़ : श्री ए.बी. अग्रवाल, अध्यक्ष, भाखड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड ने 30.05.2013 को दिल्ली में दि एसोशिएटेड चैम्बर्स ऑफ कामर्स एण्ड इंडसट्रीज़ ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित किए गए 'हाईड्रोपावर - टैपिंग द अनटैप्ड' पर एक दिवसीय सेमीनार के उद्घाटन सत्र में श्रोताओं को सम्बोधित किया। उन्होंने ऊर्जा सुरक्षा, जल सुरक्षा और अन्न सुरक्षा के लिए देश में टैपिंग द अनटैप्ड विशाल हाईड्रो क्षमता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि हाईड्रो विद्युत ऊर्जा की एक स्थायी और व्यवहार्य किस्म है क्योंकि थर्मल, न्यूक्लीयर, आदि जैसी अन्य

प्रकार की ऊर्जा की अपनी कुछ सीमाएं हैं। उन्होंने ऐतिहासिक विशाल भाखड़ा और पौंग बांधों, जिनसे 2865 मैगावाट विद्युत उत्पादन के अतिरिक्त 55 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई भी की जाती है, का उदाहरण भी प्रस्तुत किया। बीबीएमबी परियोजनाओं के कारण कृषि उत्पादन और दुग्ध उत्पाद द्वारा राष्ट्र की इकोनोमी में लगभग 1,12,000 करोड़ रुपये का वार्षिक अंशदान होता है। यह अंशदान जीडीपी का 1.35% है जो भारतवर्ष के किसी भी संगठन में उच्चतर है। तथापि उन्होंने तर्कसंगत बात कही कि हाईड्रो परियोजनाओं के विकास में परियोजना प्रभावित परिवारों और पर्यावरणविदों के भारी विरोध को उचित शिक्षा देकर समुचित तरीके से कम किया जाए अन्यथा हाइड्रो क्षमता अनटैप्ड रहेगी।